# छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया

छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
द्वारे पे बैठी सासुल हमारी खिड़की से कूद के,
मैं तो आय गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

पिछवाड़े खेलें देवर हमारे उंगली दिखाए में तो,
आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

रास्ते में मिल गईं पड़ोसन हमारी बातें बनाए,
मैं तो आय गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

पनघट पे मिल गईं नन्दी हमारी घड़ा उचाए
मै तो आय गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

गलियों में मिल गए जेठा हमारे घूंघट निकाल,
मैं तो आय गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

खेतों में मिल गए राजा हमारे हाथ हिलाया,
मैं तो आय गई रे कान्हा तेरी नगरिया,
छिपते छिपाते आ गई रे कान्हा तेरी नगरिया.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29713/title/chipte-chipate-aa-gayi-re-kanha-teri-nagariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |